बिहार विधान-सभा वादवृत्त

(भाग 1—कार्यवाही—प्रश्नोत्तर)

बृहस्पतिवार, तिथि 22 जुलाई, 1976

विषय-सूची

		पृष्ठ
प्रश्नों के लिखित उत्तर: सभा नियमावली के नियम 4(ii) के परन्तुक के अन्तर्गत प्रश्नों के लिखित उत्तरों का सभा-पटल पर रखा जाना।		1
प्रश्नों के मौखिक उत्तर:	...	1
अल्पसूचित प्रश्नोत्तर संख्या—45, 74, 75	...	2—15
तारांकित प्रश्नोत्तर संख्या—1958-1964, 1967, 1968, 1973, 1975-1977, 1979, 1981-1985, 1988, 1992-1994, 1997, 1998, 2000, 2002, 2005, 2009, 2013, 2016, 2018, 2020, 2021, 2023, 2024, 2028।		16—53
परिशिष्ट-1 (प्रश्नों के लिखित उत्तर)	...	55—68
परिशिष्ट-2 (गत सत्र के प्रश्नों के लिखित उत्तर)	...	68—79
दैनिक निबंध ...	...	81—83

टिप्पणी —जिन मंत्रियों एवं सदस्यों ने अपना भाषण संशोधित नहीं किया है उनके नाम के आगे (*) चिह्न लगा दिया गया है।

बिना लाइसेंस के गांजा बेचने का औचित्य ।

1973. श्री रामबचन पासवान—क्या मंत्री, उत्पाद विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि रोहतास जिलान्तर्गत सासाराम में अवैध रूप से उत्पाद विभाग के अधिकारियों के बल पर नेपाली गांजा शहर में काफी मात्रा में बेचा जा रहा है जिसके चलते सरकारी गांजा बेचनेवाले लाइसेंसधारियों को क्षति हो रही है ;

(2) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सरकार इस संबंध में कौन-सा कारगर कदम, कब तक उठाने का विचार रखती है?

श्री नरसिंह बैठा—(1) उत्तर नकारात्मक है ।

(2) प्रथम खंड के उत्तर को देखते हुए यह प्रश्न नहीं उठता है ।

दवा का अभाव ।

1975. श्री नन्द कुमार सिंह—क्या मन्त्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि धनबाद जिला से बाघमारा प्रखण्ड के झगराही ग्राम में स्वास्थ्य उप-केन्द्र है ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त उप-केन्द्र में स्वास्थ्य उपकरण एवं दवा नहीं है, न प्रखण्ड में डाक्टर आते हैं तथा स्वास्थ्य सहायक एवं नर्स नियमित रूप में नहीं रहते हैं, मात्र कम्पाउण्डर ही वहां नियमित रूप से रहते हैं ;

(3) क्या यह बात सही है कि उक्त स्वास्थ्य उप-केन्द्र में स्वास्थ्य कर्मचारी को रहने एवं स्वास्थ्य उपकरण, दवा के नियमित आपूर्त्ति के निमित्त उक्त ग्राम पंचायत के जनता श्री रविन्द्र कुमार पाण्डेय ने मार्च, 1976 में आवेदन-पत्र स्वास्थ्य निदेशक, बिहार को दिया है जिस पर अबतक कोई कार्रवाई नहीं की गयी है ;

(4) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार इसकी जांच कराकर शीघ्र कार्रवाई करने का विचार रखती है, यदि नहीं, तो क्यों, यदि हां, तो कब तक ?

श्री विन्देश्वरी दुबे—(1) उत्तर स्वीकारात्मक है ।